भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

व्यय विभाग

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या - 3231

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

बिहार राज्य को वित्तीय सहायता

3231. श्री गिरिधारी यादव:
श्री दिनेश चंद्र यादव:
श्री रामप्रीत मंडल:

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान सरकार द्वारा बिहार राज्य सरकार को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का योजना-वार ब्यौरा क्या है;और

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार तथा सहायता अनुदान और विशेष सहायता शीर्षों के अंतर्गत बिहार राज्य सरकार को जारी की गई निधियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): केंद्र सरकार विभिन्न शीर्षों जैसे कर अंतरण, वित्त आयोग अंतरण, केन्द्रीय प्रायोजित स्कीमों के लिए सहायता अनुदान, विशेष सहायता (अनुदान) और पूंजीगत व्यय/निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता स्कीम के तहत बिहार राज्य सरकार को निधियां प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त,निधियाँ बिहार राज्य में विभिन्न केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमों में प्रयुक्त किए जाने के लिए जारी की जाती हैं। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उपलब्ध कराई गयी/जारी की गयी निधियों का विवरण अनुबंध में दिया गया हैः

सोमवार, दिनांक 16 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा लिखित प्रश्न संख्या 3231 का अनुबंध।

<u>पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान केन्द्र सरकार द्वारा बिहार राज्य सरकार को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा</u>

(करोड़ रु. में)

शीर्ष	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25 (30.09.2024 तक)
कर अंतरण	91352.62	95509.85	113604.49	54796.23
वित्त आयोग अंतरण	8116.52	6732.65	7662.52	3583.29
केंद्र प्रायोजित स्कीमों (सीएसएस) के लिए सहायता अनुदान	21893.52	25174.75	22991.69	11984.86
विशेष सहायता (अनुदान)	250.00	0.00	0.00	0.00
पूंजीगत व्यय/निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता के लिए स्कीम	1246.50	8455.85	8814.80	2736.61

<u>बिहार राज्य में विभिन्न केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमों में प्रयुक्त किए जाने के लिए जारी की गई निधियों का विवरण</u>

(करोड़ रु. में)

शीर्ष	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25 (30.09.2024 तक)
केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमें (सीएस)*	15289.36	18002.26	13020.61	9463.24

*: पीएफ़एमएस में उपलब्ध आंकड़ो के अनुसार।

****